Chapter- 13

वाक्य

STUDY NOTES

- सार्थक शब्दों का वह समूह वाक्य कहलाता है जो एक अर्थ प्रकट करता है।

वाक्य के अंग :

वाक्य के दो अंग होते हैं –

क) उद्देश्य

ख) विधेय

उद्देश्य

वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वह **उद्देश्य** कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से कर्ता आता है। जैसे –

मंदीप और सुदीप कहानी पढ़ रहे हैं।

यहाँ **मंदीप और सुदीप** कर्ता हैं। वाक्य में उनके संबंध में बात की जा रही है अत: ये **उद्देश्य** हैं।

विधेय

उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह **विधेय** कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से क्रिया, कर्म और उनका विस्तार आदि आता है। जैसे –

मंदीप और सुदीप **कहानी पढ़ रहे हैं।**

यहाँ **कहानी** कर्म और **पढ़ रहे हैं** क्रिया है। यह वाक्यांश मंदीप और सुदीप के बारे में कहा जा रहा है अत: यह **विधेय** है।

वाक्य के प्रकार

वाक्य के प्रकार दो आधार पर होते हैं –

क) रचना के आधार पर

ख) अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं –

क) सरल वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) मिश्रित वाक्य

क) **सरल वाक्य :**

सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है।

जैसे – सूर्य (उद्देश्य) अकाश में चमकता है। (विधेय)

ख) **संयुक्त वाक्य :**

संयुक्त अर्थात् जुड़ा हुआ। इसमें दो वाक्यों को योजक चिह्नों की सहायता से जोड़कर वाक्य बनाया जाता है।

जैसे – अरूण खेल रहा है और विभोर पढ़ रहा है।

योजक चिह्न – और, या, किंतु, परंतु, तथा, एवं आदि।

ग) **मिश्रित वाक्य :**

मिश्रित अर्थात् मिला-जुला। जिसमें एक वाक्य प्रधान हो और उसमें एक या अधिक आश्रित उपवाक्य जोड़ दिए गए हों, वह मिश्रित वाक्य कहलाता है।

जैसे – पिता जी मेरे लिए एक साइकिल लाए, जिसका रंग लाल है।

मिश्रित वाक्य के योजक शब्द – क्योंकि, कि, जब-तब, जैसा-वैसा, जो-वह, जिसका, जिसमें, जिसे आदि।

अर्थ के आधार पर वाक्य

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं-

i) **विधानवाचक वाक्य**

इसमें किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थिति के बारे में सामान्य जानकारी मिलती है।

जैसे- आज छुट्टी है। सूर्य पश्चिम में छिपता है।

ii) **प्रश्नवाचक**

इन वाक्यों में कोई प्रश्न पूछा जाता है।

जैसे- आपका घर कहाँ है ? आप खाने में क्या पसंद करेंगे ?

iii) **निषेधवाचक**

इसमें किसी काम के न होने या न करने का पता चलता है।

जैसे- मैं आज विद्यालय नहीं जाऊँगी। मैंने खाना नहीं खाया।

iv) **आज्ञावाचक**

इन वाक्यों में किसी को कोई काम करने का आदेश दिया जाता है।

जैसे- तुम अपना पाठ याद करो। तुम उधर बैठो।

v) **इच्छावाचक**

इसमें कोई इच्छा, आशीर्वाद या शुभकामना आदि का भाव प्रकट होता है।

जैसे- ईश्वर तुम्हें दीर्घायु करें। तुम्हारी यात्रा मंगलमय हो।

vi) **संदेहवाचक**

इसमें किसी कार्य के होने के बारे में संदेह प्रकट किया जाता है।

जैसे- शायद आज बारिश हो। मामा जी शायद शाम तक आएँगे।

vii) **संकेतवाचक**

इसमें किसी कार्य की सफलता या असफलता का संकेत किया जाता है।

जैसे- यदि मेहनत करोगे, तो पास हो जाओगे।

यदि गाड़ि तेज़ न चलाते, तो दुर्घटना न होती।

viii) **विस्मयादिबोधक**

इसमें आश्चर्य, दुख, खेद, घृणा, शोक, हर्ष आदि के भाव प्रकट होते हैं।

जैसे- वाह! क्या छक्का मारा। छि:! कितनी गंदगी है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

आइए, अब लिखें-

१. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर अलग-अलग लिखिए।

		उद्देश्य	विधेय
क)	माँ ने नीरज को कहानी सुनाई।	माँ ने	नीरज को कहानी सुनाई
ख)	हाथी चिंघाड़ रहा है।	हाथी	चिंघाड़ रहा है
ग)	कोमल सुंदर चित्र बनाती है।	कोमल	सुंदर चित्र बनाती है
घ)	हम शिमला घूमने जाएँगे।	हम	शिमला घूमने जाएँगे
ङ)	समर, चाय पी लो।	समर	चाय पी लो

२. रचना के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए।

क) डॉ राजेंद्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। — सरल वाक्य

ख) मैं विद्यालय जाऊँगा और पढ़ाई करूँगा। — संयुक्त वाक्य

ग) वह चादर कहाँ है, जो लाल रंग की थी ? — मिश्रवाक्य

घ) अचानक बादल घिर आए और वर्षा होने लगी। — संयुक्त वाक्य

ङ) पलक दिव्या से बात कर रही थी। — सरल वाक्य

च) जो आम का पेड़ है, उसे मेरे दादा जी ने लगाया था। — मिश्र वाक्य

३. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए।

क) शायद आज बारिश आए। — संदेहवाचक वाक्य

ख) अगर तुम बाज़ार जाओ, तो फल ले आना। — संकेतवाचक वाक्य

ग) अरे ! तुम्हें चोट कैसे लगी ? — प्रश्नवाचक वाक्य

घ) क्या बुआ जी भी आएँगी ? — प्रश्नवाचक वाक्य

ङ) ईश्वर तुम्हें लंबी आयु दे। — इच्छावाचक वाक्य

◆◆◆